अहर्म्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2016) | दिनांक 22.12.2016

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

नवपदार्थ : जीव–अजीव – 40

प्र.1 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 10

(जीव : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) समकित का क्या अर्थ है?

(ख) जीव को सत्व क्यों कहा गया है?

(ग) जीव को जीव क्यों कहा गया है?

(घ) प्राण से क्या तात्पर्य है?

(ड.) जीव का स्वरूप क्या है?

(अजीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(च) द्रव्य किसे कहते हैं?

(छ) जीव व पुद्गल की गति लोक के बाहर क्यों नहीं हो सकती?

(ज) प्रदेश किसे कहते हैं?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(जीव : किसी एक प्रश्न के उत्तर दें)

(क) नव पदार्थ में कितने जीव और कितने अजीव?

(ख) परिणामी नित्य से क्या तात्पर्य है?

(अजीव : किसी एक प्रश्न का उत्तर दें)

(ग) द्रव्यों में कितने द्रव्य सक्रिय हैं और कितने निष्क्रिय?

(घ) काल के स्कंध, देश, प्रदेश आदि भेद क्यों नहीं होते?

प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 20

(क) जीव – सिद्ध करें कि आत्मा, शरीर और इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतंत्र द्रव्य है?

'अथवा'

द्रव्य जीव को विस्तार से समझाएं।

(ख) अजीव – पांचों शरीर पर टिप्पणी लिखें।

'अथवा'

पुद्गल के जघन्य व उत्कृष्ट स्कंध का क्षेत्र–प्रमाण कितना है?

अवबोध – जीव से संवर – 30

प्र.4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक लाईन में लिखें – 7

(क) लोक में जीव ज्यादा हैं या अजीव?

(ख) पापबंध के मुख्य हेतु क्या हैं?

(ग) पाप की जघन्य उत्कृष्ट स्थिति क्या है?

(घ) सिद्धों में संवर क्यों नहीं माना गया?

(ङ) क्या सभी तिर्यंचों में संवर की निष्पत्ति हो सकती है?

(च) संवर सावद्य है या निरवद्य?

(छ) अष्टस्पर्शी वर्गणा में पुद्गल स्कंध अधिक होते हैं या चतुःस्पर्शी वर्गणा में?

(ज) परस्पर गुंथी हुई दो अस्थियों पर तीसरी अस्थि का परिवेष्टन होना कौन सा संहनन है नाम बतायें?

(झ) संवर की स्थिति कितनी?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) संवर औदारिक शरीर में ही होता है, या अन्य शरीर में भी?

(ख) आश्रव आत्म परिणाम को कहते हैं या आकर्षित होने वाली कर्म वर्गणा को?

(ग) बंधन क्षय (निर्जरा) और बंधन कारक (पुण्य) इन दोनों की निष्पत्ति एक ही क्रिया से कैसे संभव होगी?

प्र.6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) उत्पन्न होने वाला जीव ओज आहार के सहारे ही बढ़ता है या अन्य आहार भी ग्रहण करता है?

(ख) प्राणातिपात विरमण संवर आदि पन्द्रह भेद किसके अन्तर्गत आते हैं?

(ग) पुण्य किसे कहते हैं, नमस्कार पुण्य को अलग क्यों बताया गया है?

(घ) अजीव के सर्वाधिक प्रकार कितने हैं?

अमृत कलश, भाग–3 (छठा, सातवां चषक–तप को छोड़कर) – 30

प्र.7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 5

(क) आवश्यक का क्या अर्थ है?

(ख) हम संज्ञी कैसे हैं?

(ग) तिरछे लोक की चौड़ाई कितनी है?

(घ) अभवी साधुवेष क्यों स्वीकार करता है?

(ङ) अलोक में कितने द्रव्य हैं?

(च) अधिगम सम्यक्त्व से क्या तात्पर्य है?

(छ) देशव्रती श्रावक कौन होता है?

प्र.8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन लाईन में दें – 10

(क) आचार्य व उपाध्याय के उत्कृष्ट कितने भव होते हैं?

(ख) वीतराग की शरण लेने का क्या तात्पर्य है?

(ग) श्रावक के सामायिक कितनी कोटि से की जाती है?

(घ) सुलभबोधि श्रावक किसे कहते हैं?

(ड.) प्रतिक्रमण का समय कौन सा है?

(च) अभवी के सकाम निर्जरा होती है या अकाम?

(छ) णम्मोकार मंत्र के जप का क्या उद्देश्य होना चाहिए?

प्र.9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 15

(क) अठारह पापों से बचने के लिए सामायिक में क्या करना चाहिए?

(ख) वर्तमान में सच्चे साधु कौन हैं?

(ग) इस प्रकार दोषों से रहित सामायिक करना तो बहुत कठिन है। अतः सदोष सामायिक करने की अपेक्षा तो क्या सामायिक न करना अच्छा नहीं है?

(घ) बिना त्याग किए ही हिंसा आदि से बचा जा सकता है? व्रत स्वीकार करना क्यों जरूरी है?

(ङ) सम्यक्त्व को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है?